तीमत आरहाम और नाम इवारत जाहरी जो दफ्तर रजिस्ट्री में हुई ।	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज
29/8/85 आरराम-गवारज वसीयत नामा Judical paper किता 2 पर तहरीर है।	नं० 37 वसीयत नामा फी = 50-00 प = 2-00 52-00 अपल्याक 370	

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह

29/8/85 वसीका वसीयत नामा हक्का अज मिति 29.8.85 बरोज बीरवार वरवक्त 1 या 1.30 बजे दिन श्री मति इन्द्रू ने संवय हाजर दफ्तर सब-रजिस्ट्रार चुराह मयाप अजाराय वर्गज रजिस्ट्री पेश की वसीका दरुसत तहरीर है। रजिस्ट्री हेतु स्वीकृत किया गया। ह० मुसी पेश करता

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) तहसील चुराह

29/8/85 मजबून वसीका वसीयतनामा हजा हरूफ वा हरूफ पढ़ कर मु० इन्दरू मुसीया को पढ़ कर सुनाया वा समझाया। जिसे उस ने दरुसत तसलीम वा तासलीम किया और तहरीर दस्ता वेज से रजवान्त किया। मौके पर गवाहन

<वसीयत नामा>

मैं श्री मति इन्द्रू विधवा परजा पुत्र मदला गांव सौ... लोहटिकरी तहसील चुराह जिला चम्बा की हूं। जो ... एक लड़का सवणी व एक लड़की मु० प्रवीनू पैदा हुई ... की शादी कर दी है। और वह अपनी ससुराल में आबाद ... सवणी का बाया हाथ व टांग बिलकुल अलग है। वह ... घरेलू व खेत बाड़ी का नहीं कर सकता। मेरे उम्र ... करीबन 70 वर्ष की है। बुढ़ापे में काम काज नहीं ... पति के मरने पर वरासत गांव वुईन तीसा व गांव ... प० लोहटिकरी में गुजारा था मेरे लड़के तथा लड़की ... मजबूर हो चुकी हुई है। जुम वा मेरे लड़के सवणी की ... की हालत में मेरा भानजा श्री दौलत सिंह पुत्र ... मेरा सगा जेठ होता था। हमारी हर की सेवा कर रहा ... उस की सेवा से अति प्रसन्न हो. मैं दौलत सिंह उक्त का ... अपने सिर रखना नहीं चाहती। इस लिए अपनी खुशी ... प्रसन्नता से बिना किसी अनुचित बल या दबाव के ... बिना किसी बहकावे की अपनी इंद्रियों के सकल होने ... दशा में वसीयत करती हूं।:-

(i) जो कुछ मेरी चल वा अचल सम्पत्ति इस वक्त मेरी ... है। या आगे में जो पैदा करूंगा या किसी तौर पर ... उस तमाम की मैं जीते जी स्थिर स्वामी रहूंगी।

(ii) मेरे मरने के बाद मेरी तमाम हकीयत मेरे जेठ जाया ... भानजा दौलत सिंह उक्त को ही दी जावे। दीगर किसी हकदार वारिस का मेरी जायदाद पर कोई हक वा तअल्लुक ना होगा। इस झगड़ा को ही मिटाने की खातिर मैंने वसीयत नामा दिया है. तथा मेरे लड़के सवणी ने ... की। अपने हिस्सा का वसीयत नामा अलग से दौलत ...

R-3-49-6000-Printing Service Co., Bikaner

कीमत अस्टाम्प और नकल इबारत जरूरी जो दफतर रजिस्टरी में हुई	नम्बर शुमार इन्द्राज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज

[left column]

गया वसीयत नामा सर्वश्री सिंह
सिंह वा मोती लाल तथा
गनारवली श्री शिव राम प्रधान
ग्राम पंचायत थल्ली ने शनाख्त
किया। गवाह प्रधान को मैं स्वयं
जानता हूँ। अत: दस्तावेज
रजिस्ट्री किया गया।

[right column]

के नाम लिख दिया है, मेरे मरने पर मेरी
गवाह तमाम रसूमात मार्ग की मुताबिक रस्म, कौम व इलाका
श्री दौलत सिंह ही करेगा।

अत: वसीयतनामा सुन व समझ कर और ठीक मान कर साक्षी गण के सामने लिख दिया, और इस पर अपना अंगूठा भी साक्षी गण के सामने लगा दिया। स्वी प्रमाण है मिति 29/8/85 मुताबिक 14 भादो सम्वत 2042 विक्रमी वरोज वीरवार मन्नान अंगूठा। लेखक रोशन लाल बैदरा

ह० मुसी

ह० गवाह I

ह० गवाह II

मोतीलाल

गवाह शनाख्ती शनारवती साक्षी

शिव राम प्रधान पंचायत

थली

sd/- शिवराम

मु० इन्द्र उवा निशान अंगूठा

साक्षी
सिंह पुत्र हजूर दास गांव सैरला
फलौद डिग्री।
निशान अंगूठा

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

साक्षी
श्री मोती लाल पुत्र जोद्ध राम
खनगुडा to लौनी
sd/- मोती

29/8/85 प्रमाणित किया जाता है कि मुसी तथा गवाहन ने अपने-2 हस्ताक्षर वा निशान अंगूठा मेरे सामने लगाए है।

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक)
तहसील चुराह

मोहर
नं० - 505
मिति 29/8/85
sd/- रोशन लाल बैदरा

6 नम्बर पृष्ठ 134-135
पंजीकृत हुआ

37 B. No. 3

(पृ. पृष्ठों) .... पर आज दिनांक 29-8-85.

29/8/85.